अपोलो अस्पताल सड़क का निर्माण अधूरा छोड़ा, हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

शिकंजा ● अशोक नगर की बदहाल सड़क के मामले को भी लिया स्वत: संज्ञान में

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुरः अशोक नगर की बदहाल सडक और अपोलो हास्पिटल जाने वाली रोड पर हाई कोर्ट ने बुधवार को स्व संज्ञान में दर्ज हुई जनहित याचिका पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की स्पेशल डिवीजन बेंच ने कहा कि बिलासपुर और आसपास की लोक निर्माण विभाग की सड़कों की हालत बहुत खराब है। अशोक नगर में सडक पर बड़े गड्ढे हैं इनका क्या किया जा रहा है। मामले में आगामी 25 जुलाई को सुनवाई को होगी।

सुनवाई के दौरान निगम की ओर से कहा गया कि अपोलो वाली सड़क, जो कि वसंत विहार चौक से अपोलो अस्पताल तक है, को चौड़ा करने का काम हाई कोर्ट के निर्देश पर किया जा रहा है। निगम ने अतिक्रमण हटाकर सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू कर दिया है और छह मई को वर्कआर्डर भी जारी किया गया है। सड़क 80 फीट चौड़ी होगी और दोनों तरफ नाली बनाई जाएगी। निगम के मुताबिक वसंत विहार चौक से मानसी गेस्ट हाउस होते हुए रपटा तक की सड़क को भी चौड़ा किया जाएगा। अतिक्रमण हटाने से पहले, प्रभावित लोगों को वैकल्पिक बहतराई, सरोज विहार और आइएचएसडीपी योजना के आवास में जगह दी गई है।

25 जुलाई को होगी दोनों मामलों की अगली सुनवाई, देना होगा जवाब

नईदुनिया
लगातार

ड़ीकरण अधूरा, खतरनाक हुई अपोलो अस्पताल रोड

नईदुनिया में पूर्व में प्रकाशित खबर

अशोक नगर मार्ग की मरम्मत की लगातार की जा रही है मांग

खस्ताहल हो चुकी अशोकनगर चौक से बिरकोना तक की सड़क पर भी हाई कोर्ट ने जवाब मांगा है। यह रास्ता दर्जनों शैक्षणिक और दूसरे संस्थानों से होकर गुजरता है। यही वजह है कि इस मार्ग को बनाने के लिए सालों से मांग हो रही है। फिर भी जिम्मेदार अधिकारी इसकी ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यहां डीएलएस कालेज के अलावा महामाया आइटीआइ, कुछ निजी और बड़ी कालोनियों सहित पूरा सरस्वती नगर बसा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस क्षेत्र में शहर का एक बड़ा हिस्सा बस चुका है। हर दिन हजारों लोगों का आना जाना लगा होता है। उन्हें ही अब खासी दिक्कत हो रही है। गर्मी के दिनों में लोग जैसे तैसे आने-जाने का काम चला रहे थे। पर बारिश का महीना शुरू हो चुका है। लगभग हर कदम पर गड्ढे हैं, जिनमें बारिश का पानी भर रहा है। इसके कारण बाइक चालक को यह समझ नहीं आ रहा कि वह सड़क पर गाड़ी चला रहा या गड्ढे पर और इसी का नतीजा है कि लोग सड़क पर गिर पड़ रहे हैं।